

नमो नमो श्री बाबोसा भजन लिरिक्स



वीरों में वीर है,
महा बलशाली है,
जिसकी भुजाएं विशाल है,
छाती हिमालय सी,
सूर्य सम तेज है,
माँ छगनी का लाल है,
नमो नमो श्री बाबोसा,
नमो नमों श्रीं बाबोसा,
नहीं कोई कलयुग में,
अतुल बली देव ऐसा।bd।

हनुमत जिसपे अपनी,
कृपा बरसाये,
मानव बनके वो इस,
धरती पर आये,
कोठारी जैन कुल में,
वो जन्म है पाये,
पिता घेवरचंद,
माँ छगनी देवी कहलाये,
चुरू नगर में आया,
पन्ना नाम पाया,
भक्तों का प्रतिपाल है,
छाती हिमालय सी,
सूर्य सम तेज है,
माँ छगनी का लाल है,
नमो नमों श्रीं बाबोसा,
नहीं कोई कलयुग में,
अतुल बली देव ऐसा।bd।

बचपन से बाबोसा,
थे बड़े चमत्कारी,
आसपास के गांवों में,
चर्चा थी ये भारी,
हाथ रखते ही टलती थी,
बिपदा सारी,
सिद्धियां थी हाथों में,
कहते थे नर नारी,
बढ़ती उम्र के साथ बाबोसा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



छाती हिमालय सी,
सूर्य सम तेज है,
माँ छगनी का लाल है,
नमो नमों श्रीं बाबोसा,
नही कोई कलयुग में,
अतुल बली देव ऐसा।bd।

अल्प आयु में ही,
हनुमत स्वर्ग ले आये,
स्वागत कर इनका सभी,
देव देवी हर्षाये,
हनुमत जिनको अपनी,
गोदी में बिठाये,
बाबोसा नाम दिया,
कलयुग में ये पूजाये,
ये कोई कहानी नहीं,
सत्य कथा है,
'दिलबर' जिनकी दास्तां,
बेमिसाल है,
छाती हिमालय सी,
सूर्य सम तेज है,
माँ छगनी का लाल है,
नमो नमों श्रीं बाबोसा,
नही कोई कलयुग में,
अतुल बली देव ऐसा।bd।

वीरों में वीर है,
महा बलशाली है,
जिसकी भुजाएं विशाल है,
छाती हिमालय सी,
सूर्य सम तेज है,
माँ छगनी का लाल है,
नमो नमो श्री बाबोसा,
नमो नमों श्रीं बाबोसा,
नही कोई कलयुग में,
अतुल बली देव ऐसा।bd।

गायक – श्री हर्ष व्यास मुम्बई।
लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
9907023365
